● bordernewsmirror@gmail.com
● पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
● द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 सीएम नीतीश ने बांका में 14 करोड़ की लागत से बने अस्पताल का किया उद्घाटन

04 जनसंवाद का एक-एक सुझाव है अमूल्य : जिलाधिकारी

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, बृहस्पतिवार, 28 सितम्बर 2023 www.bordernewsmirror.com ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 237

विपक्ष ने बेमन से नारी शक्ति बिल का समर्थन किया है, माता-बहनें सावधान रहें इनसे: मोदी

-वडोदरा के अपने संस्मरणों से भाव-विवह्ल हुए मोदी, बोले बेटे की तरह संभाला है

-वडोदरा के नवलखी मैदान में नारी शक्ति वंदन, प्रधानमंत्री का अभिनंदन कार्यक्रम

वडोदरा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 बिल संसद में बहुमत के साथ पारित होने पर वडोदर में बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिवादन कार्यक्रम, नारी शक्ति का वंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी रोड शो के दौरान महिलाओं का अभिवादन स्वीकारते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। उनके साथ मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल भी थे। कार्यक्रम में सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने माता-बहनों का वंदन करते हुए कहा कि मेरे जीवन के निर्माण में कई चीजों का योगदान है, इसमें वडोदरा ने मुझे एक बेटे की तरह संभाला है। एक माता अपने बेटे को जिस तरह दुलार करती है, वडोदरा ने मुझे दिया है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के जरिए हमारा प्रयत्न है जिससे देश की मातृशक्ति का ऋण उतार सकूं।

इस कानून से भविष्य में विधानसभा और लोकसभा में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण पक्का हो जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि नारी सशक्तिकरण के लिए देश में जो प्रयास हुए हैं उसमें वडोदरा ने मील का पत्थर गिना जा सकता है। वडोदरा वह जगह है जहां गायकवाड सरकार के समय बेटियों को पढ़ाई अनिवार्य और निःशुल्क थी। इसमें जो भी मां-बाप यदि अपनी बेटी को नहीं पढ़ाते थे तो उन्हें दंडित किया जाता था। देश और दुनिया में आज गुजरात के विकास मॉडल की चर्चा होती है। गुजरात के विकास मॉडल की सबसे बड़ी ताकत माता-बहन है। गुजरात की सफलता का नया आयाम पार करवाने का काम गुजरात वुमन लेड डेवलपमेंट की आधारशिला के कारण है। मोदी ने कहा कि 20 वर्ष पहले महिलाओं की साक्षरता की दर बहुत नीचे थी। बड़ी संख्या में बेटियों का दाखिला तो होता था, लेकिन वे बीच में ही स्कूल छोड़ देती थीं। बहुत कम माताओं की अस्पताल में प्रसूति होती थी।

भाजपा ने महिलाओं को केंद्र में रखकर विकास की नीति बनाई और समर्पण भाव से काम किया और आज उसका काम गुजरात के कोने-कोने में देखा जा सकता है। गुजरात में महिला नेतृत्व वाले विकास की सफलता आज विकसित भारत के सपने को साकार कर रही है। आज देश में 9 करोड़ बहनें सखी मंडलों से जुड़ी हैं। आज सखी मंडल यह जानकारी दे रहे हैं कि कृषि में ड्रोन का उपयोग कैसे किया जा सकता है। सखी मंडल की बहनें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रही हैं। कोरोना में पिछले 3 साल से 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज दिया और गरीबों के घर का चूल्हा जलाया। देश महिलाएं आज आत्मविश्वासी, ऊर्जावान और सशक्त हैं। नारी शक्ति वंदन कानून को पारित कराने में नारी की शक्ति काम आई है, अन्यथा विपक्ष इसे तीन दशकों तक रोकने के लिए हर बहाने बनाता है।

विपक्ष ने नारी शक्ति को बांटने की साजिश रची है, ये इंडिया नहीं घमंडिया गठबंधन है। विपक्ष धर्म या जाति के आधार पर महिलाओं की शक्ति को तोड़ने की कोशिश करता है। यदि विपक्ष महिलाओं के विकास के प्रति संवेदनशील होता तो यह विधेयक वर्षों तक लटका नहीं रहता। कहा कि विपक्ष ने महिला शक्ति बिल का दिल से समर्थन नहीं किया, माताएं-बहनें ऐसे लोगों से सावधान रहें। 2 अक्टूबर को गांधी जयंती मनाने से पहले स्वच्छता अभियान चलाने का प्रोग्राम है।

मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाए केंद्र सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि मणिपुर में हो रही हिंसा को राज्य एवं केंद्र सरकार रोक पाने में विफल साबित हो रही हैं। वहां आए दिन हिंसा हो रही है। इस मुद्दे का शीघ्र समाधान निकाला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस मुद्देपर सर्वदलीय बैठक बुलाए और हम सभी मिलकर मणिपुर की समस्या का कोई समाधान निकालें, असम के कलियाबोर क्षेत्र से कांग्रेस के सांसद गौरव गोगोई ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हाल ही में मणिपुर में मासूम युवाओं का अपहरण कर उन्हें मारा गया। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हैं, जो काफी भयावह हैं। इन युवाओं के परिवारों के प्रति कांग्रेस सांत्वना व्यक्त करती है।

लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के उप नेता गोगोई ने कहा कि पार्टी की मांग है कि अपराधियों को जल्द से जल्द पकड़ा जाए और सरकार उन पर ठोस कार्रवाई करे। दुःख की इस घड़ी में कांग्रेस मणिपुर के छात्रों, शिक्षक समाज और मणिपुर के हर नागरिक के साथ खड़ी है। मणिपुर का दर्द आज पूरा देश महसूस कर रहा है। मणिपुर में राज्य सरकार जिस तरह लाठियों और आंसू गैस के जरिए छात्रों की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है, वह निंदनीय है। गोगोई ने कहा कि मणिपुर में करीब 5 महीने पहले हिंसा शुरू हुई, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी आज तक वहां नहीं गए। हम जानना चाहते हैं कि प्रधानमंत्री ने बीते 05 महीनों में खुद कितनी बार मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह से बात की है? गोगोई ने कहा कि राज्य के हालात को देखते हुए कांग्रेस की मांग है कि बीरेन सिंह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दें।

उल्लेखनीय है कि मणिपुर में मैतेई समुदाय को एसटी श्रेणी में शामिल किए जाने की मांग के विरोध में रैली का आयोजन हुआ था। ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन मणिपुर ने इस रैली का आयोजन किया था। रैली के दौरान हिंसा भड़क गई थी। इस दौरान यहां पर कई लोग मारे गए थे।

न्यायपालिकाओं में भी बढ़नी चाहिए महिलाओं की भागीदारी: राष्ट्रपति

- राष्ट्रपति ने किया मप्र हाई कोर्ट की नई इमारत का शिलान्यास

जबलपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि न्यायपालिका में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ानी चाहिए। वर्तमान में उच्चतम न्यायालय सिर्फ नौ फीसदी और उच्च न्यायालयों में केवल सिर्फ 14 फीसदी महिला जज हैं। महिलाओं का सशक्तिकरण देश के लिए आवश्यक है। राजनीति में 33 फीसदी महिला आरक्षण एक क्रांतिकारी कदम होगा।

राष्ट्रपति बुधवार को जबलपुर में मप्र उच्च न्यायालय के नए भवन के शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने समारोह में 460 करोड़ की लागत से बनने वाले मप्र उच्च न्यायालय के नए भवन का शिलान्यास किया। मुख्य कार्यक्रम ट्रिपल आईटीडीएम के ऑडिटोरियम में हुआ। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रवि मलिमठ ने पुष्प गुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंट कर राष्ट्रपति का स्वागत किया। इस अवसर पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत अन्य जनप्रतिनिधि, न्यायालय से जुड़े सभी अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। राष्ट्रपति ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि महिला में न्याय करने का नैसर्गिक भाव होता है। एक मां कभी बच्चों में भेद नहीं करती।

उपेन्द्र कुशवाहा ने शाह से की मुलाकात

नई दिल्ली। राष्ट्रीय लोक जनता दल के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने बुधवार को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से दिल्ली में मुलाकात की है। मुलाकात की तस्वीर एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर साझा कर कुशवाहा ने लिखा कि आज उन्होंने दिल्ली में केन्द्रीय गृह मंत्री एवं भाजपा नेता अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने बिहार की राजनीतिक स्थिति एवं आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर एनडीए की रणनीति पर विशेष चर्चा की। कुशवाहा ने कहा कि इस दौरान उनके पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव माधव आनन्द भी उपस्थित थे। जानकारों का कहना है कि दोनों नेताओं के बीच लोकसभा चुनाव में सीटों के तालमेल को लेकर चर्चा हुई है। हालांकि इस मुद्दे पर आधिकारिक रूप से भाजपा की ओर से अभी तक कुछ भी नहीं कहा गया है।

उल्लेखनीय है कि दो दिन पहले कुशवाहा ने एक्स पर लिखा था कि राजद-जदयू डील के साथ ही नीतीश कुमार की पार्टी निपट चुकी है। डूबती नैया पर सवार होकर कोई भी व्यक्ति चुनाव की वैतरणी पार नहीं कर सकता है।

ख्वाब महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण का सपना न जाने कब पूरा होगा।

सपा इंडिया का हिस्सा, लेकिन लड़ाई का रास्ता अलग: अखिलेश

-रीवा के सिरमौर में सपा सम्मेलन

रीवा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि आईएनडीआईए गठबंधन के अंदर सपा है। लेकिन, सपा की लड़ाई अपने अलग रास्ते की भी है।

जब लोकसभा में उत्तर प्रदेश से सबसे ज्यादा आईएनडीआईए एलायंस और सपा के प्रत्याशी जीतेंगे तो भाजपा का प्रधानमंत्री नहीं होगा। प्रधानमंत्री दूसरा होगा, सपा और आईएनडीआईए के लोग जिसे कहेंगे, वो प्रधानमंत्री होगा। अखिलेश यादव बुधवार को रीवा के सिरमौर में आयोजित समाजवादी पार्टी के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अभी भाजपा ने लोकसभा में तस्वीर

दिखाई, नारी शक्ति वंदन बिल आ गया। भाजपा के लोग 33 फीसदी महिलाओं को चुनाव लड़ाएं या न लड़ाएं, लेकिन सपा 20 फीसदी महिलाओं को टिकट देगी। 33 फीसदी आरक्षण का सपना न जाने कब पूरा होगा। अखिलेश ने कहा कि केंद्र और मप्र की सरकार ने पहले मिलकर लोगों को गरीब बनाया। जब लगा कि हम गरीबों को कुछ नहीं दे पाए तो

लाड़ली बहना जैसी योजनाएं बना दीं।

हमारी माता-बहनों का सम्मान एक-दो हजार में नहीं होगा। कम से कम उन्हें छह हजार रुपये मिलेंगे, तब सम्मान हो पाएगा। ये लोग कहेंगे कि छह हजार कैसे दोगे? हम उनसे कहेंगे कि सरकार से हट जाओ। हम छह हजार रुपये देकर दिखा देंगे। सम्मेलन को सपा के सिरमौर विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार लक्ष्मण तिवारी ने भी संबोधित किया।

सीएम नीतीश ने बांका में 14 करोड़ की लागत से बने अस्पताल का किया उद्घाटन

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को बांका सदर अस्पताल परिसर में 13 करोड़ 90 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित मॉडल अस्पताल भवन का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने मॉडल अस्पताल भवन का निरीक्षण कर मरीजों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं, चिकित्सकों के आवासन, निःशुल्क दवा वितरण आदि के संबंध में जानकारी ली।सदर अस्पताल बांका के परिसर में स्थित ओपीडी आयुष ब्लॉक का मुख्यमंत्री ने जायजा लिया। आयुष ब्लॉक में मरीजों के लिए उपलब्ध निःशुल्क दवाएं एवं मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं आदि के संबंध में अधिकारियों ने विस्तृत जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य सहायता केंद्र पर स्वास्थ्य मित्र के रूप में सेवारत जीविका दीदियों से भी बातचीत की है। मुख्यमंत्री ने जीर्णोद्धार कराए गए इंडोर स्टेडियम, बांका का भी निरीक्षण किया। साथ ही यहां प्रैक्टिस

कर रहे बैंडमिंटन खिलाड़ियों से बातचीत की। खिलाड़ियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि यह हमलोगों के लिए काफी उपयोगी और सुविधाजनक है। हम सभी आपका स्वागत करते हैं और इसके लिए आपके प्रति आभार व्यक्त करते हैं। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों से कहा कि पढ़ना काफी आवश्यक है लेकिन इसके साथ खेलकूद भी बहुत जरूरी है। इससे शारीरिक एवं मानसिक विकास ठीक ढंग से होता है। आप सब मन लगाकर पढिए, खेलिए और आगे बढिए। इस दौरान महिला कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य सीएम का अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री ने आरएमके हाई स्कूल, बांका परिसर स्थित डिजिटल लाइब्रेरी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने वहां अध्ययनरत विद्यार्थियों से वार्ता कर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि हिंदी काफी महत्वपूर्ण भाषा है। हमारी इच्छा है और हम बराबर कहते भी रहते हैं कि हिंदी भाषा का अधिक से अधिक प्रयोग करें। सरकारी भवनों पर अंग्रेजी की जगह हिंदी भाषा ही अंकित कराएं। अंग्रेजी भाषा भी आवश्यक है लेकिन हमारी सरकारी भाषा हिंदी और उर्दू है।

मुख्यमंत्री ने "जीविका" बांका द्वारा संचालित गतिविधियों से संबंधित लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। अवलोकन के क्रम में मुख्यमंत्री ने सतत जीविकोपार्जन योजना के तहत 226 दीदियों के व्यवसाय के लिए 83 लाख 65 हजार रुपये का चेक एवं 2706 जीविका महिला स्वयं सहायता समूहों को 81 करोड़ 64 लाख रुपये का चेक जीविका दीदियों को प्रदान किया है। कार्यक्रम के पश्चात मुख्यमंत्री ने जमुई के बरनार नदी पर क्षतिग्रस्त कॉजवे का निरीक्षण किया है।

सुशील मोदी ने ठाकुर जाति के अपमान के लिए तेजस्वी को क्षमा मांगने की दी सलाह

पटना। राज्यसभा सदस्य सुशील मोदी ने बुधवार को कहा कि राजद सांसद मनोज झा ने जिस तरह से नाम लेकर ठाकुर (राजपूत) जाति का अपमान किया है, उसके लिए पार्टी के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव को क्षमा मांगनी चाहिए। सुशील मोदी ने कहा कि मनोज झा ने राज्यसभा में नारी शक्ति वंदन (महिला आरक्षण) विधेयक का विरोध करते हुए, जो कविता पढी, वह ठाकुर जाति के लोगों के प्रति दुराग्रह और अपमान से भरी थी। राजद ने इससे पहले ठाकुर सहित सभी ऊंची जातियों के गरीबों को 10 फीसदी आरक्षण देने के एनडीए सरकार के फैसले का कड़ा विरोध किया था और विधेयक के विरोध में वोट डाले थे। उन्होंने कहा राजद ने ठाकुर जाति के अपने वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रघुवंश प्रसाद सिंह को ₹एक लोटा पानी₹ कहकर अपमानित किया था।

पितृपक्ष का मेला आज से शरू,पिंडदानियों को टेंट सिटी में मिलेंगी सभी सुविधाएं

बीएनएम@पटना/गया

पितरों को मोक्ष देने वाली भूमि गया में आज से यानी गुरुवार से पितृपक्ष मेला शुरू होगा, जो आगामी 14 अक्टूबर तक चलेगा। इसके मद्देनजर जिला प्रशासन ने आने वाले पिंडदानियों के लिए आकर्षक, सुंदर और मनमोहक टेंट सिटी का निर्माण कराया है। टेंट सिटी में आवासन, चिकित्सा, लॉकर, सुरक्षा सहित अन्य सुविधाएं मुफ्त मिलेंगी। सिर्फ शुद्ध और स्वादिष्ट शाकाहारी भोजन अल्प शुल्क में मिलेंगे। जिला प्रशासन के मुताबिक एक साथ 25 सौ पिंडदानियों के ठहरने की व्यवस्था टेंट सिटी में हुई है।

टेंट सिटी में कोई पिंडदानी आकर विश्राम कर सकते हैं। उनके लिए यहां उत्तम व्यवस्था की गई है। जिला प्रशासन की सोच है कि गया आने वाले पिंडदानी हर स्तर के होते हैं। कई बार देखा गया है

कि होटल व धर्मशाला में पिंडदानियों को जगह नहीं मिलने के कारण सड़क पर सो जाते थे लेकिन टेंट सिटी बनने के बाद ऐसा नहीं होगा। यहां पर्याप्त बेड की व्यवस्था की गई है। इससे पिंडदानी सड़क किनारे विश्राम नहीं करेंगे। जिला प्रशासन ने सभी तीर्थ यात्रियों से अपील किया है कि गांधी मैदान में आवासन के लिए बनाए गए टेंट सिटी का उपयोग अवश्य करें।

सीएम ने टावर का किया निरीक्षण, कार्य तेजी से करने का दिया निर्देश

बीएनएम@पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार शाम गर्दनीबाग में निर्माणाधीन बापू टावर का निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि इसका निर्माण जल्द पूर्ण होने से बापू की जीवनी, उनके विचारों और उनके आदर्शों को नई पीढ़ी जान सकेगी। निरीक्षण के दौरान भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि मुख्यमंत्री को निर्माण कार्य से संबंधित विस्तृत जानकारी दी और बताया कि निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बापू टावर के छठे, तीसरे एवं पहले तल पर जाकर निर्माण कार्य का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान भवन निर्माण विभाग के सचिव को निर्देश देते हुए कहा कि बापू टावर का निर्माण जल्द से जल्द पूर्ण करायें। इसका निर्माण कार्य दिसम्बर माह तक पूर्ण करें।

उन्होंने कहा कि इस परिसर में ग्रीन एरिया विकसित करें। परिसर बेहतर और व्यवस्थित दिखना चाहिये। जब बापू टावर बनकर तैयार हो जायेगा तो बहुत अच्छा दृश्य दिखेगा और लोग यहां आकर बापू के बारे में जानकारियां प्राप्त कर सकेंगे। हमने इसका निर्माण कार्य कई बार आकर देखा है और सुझाव भी देते रहे हैं। मेरी इच्छा है कि जल्द से जल्द बापू टावर का निर्माण कार्य पूर्ण हो, इसमें अब विलंब नहीं हो।

त्यागपत्र विदेश में भारत की राजनीति की चर्चा के लिए राहुल की आलोचना भी की थी।

जदयू के पूर्व एमएलसी रणवीर नंदन ने दिया पार्टी से इस्तीफा

बीएनएम@पटना। जदयू के पूर्व एमएलसी रणवीर नंदन ने बुधवार को जदयू से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह को इस संबंध में अपना इस्तीफा भेजा है। उन्होंने इस्तीफा देने के कारणों का फ़लिहाल खुलासा नहीं किया है। इस्तीफा में लिखा है कि मैं जदयू की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देता हूं।

रणवीर नंदन की पहचान नीतीश कुमार के काफी करीबी नेता के रूप में रही है। यहां तक कि उनके द्वारा आयोजित कई पूजा समारोहों में नीतीश कुमार जाते रहे हैं।डॉ रणवीर नंदन राजनीति के सक्रिय रहने के साथ ही शिक्षण के पेशे से जुड़े रहे हैं। वे बीएन कॉलेज पटना में एसोसिएट प्रोफेसर हैं। पिछले कुछ दिनों से रणवीर नंदन लगातार पार्टी की विचारधारा से अलग बयान दे रहे थे। बिहार के मुख्यमंत्री

नीतीश कुमार की पहल पर एकजुट हुए विपक्षी दलों पर उन्होंने निशाना साधा था। उन्होंने विदेश में जाकर भारत की दलीय राजनीति की चर्चा करने के लिए राहुल गांधी की आलोचना भी की थी। पार्टी के नीतियों के विरोध में उन्होंने 17 सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन पर बधाई भी दी थी।

लोजपा पारस गुट के नेता अनवर खान की गया में गोली मार कर हत्या किया

बीएनएम@पटना/गया

बिहार में गया जिले के आमस थाना अंतर्गत गम्हरईयआ गांव के पास लोजपा पारस गुट के नेता अनवर खान की बुधवार को गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक गया में दिनदहाड़े लोजपा नेता अनवर खान को गोली मार दी गयी जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। बदमाशों ने लोजपा नेता के शरीर पर छह गोलियां दागी हैं। इस घटना के बाद नाराज स्थानीय लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया है। अनवर लोजपा पारस गुट के नेता थे। ये गुरुआ विधानसभा से चुनाव लड़ चुके थे। अनवर खान लोक जनशक्ति पार्टी पारस गुट के नेता थे। वह गुरुआ विधानसभा से चुनाव लड़ चुके थे। फिलहाल घटना स्थल पर पुलिस पहुंच गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। घटना की पुष्टि आमस थाना अध्यक्ष मृत्युंजय कुमार सिंह ने की है। घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने गम्हरिया गांव के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया है। जाम स्थल पर आमस थाना की पुलिस पहुंची है।

सुगौली से भाया रक्सौल–सीतामढ़ी से पटना के लिए नयी ट्रेन चलेगी

सुगौली। विधानसभा धरमीनीया व रामगढवा को सीतामढ़ी और पटना से जोड़ने के लिए एक नई ट्रेन के परिचालन का तोहफा स्थानीय सांसद डॉक्टर संजय जयसवाल के प्रयास से मिलने जा रहा है। उक्त बातें भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष विकास शर्मा ने सुगौली रेलवे स्टेशन का जायजा लेने उपरांत बुधवार को एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कही, श्री शर्मा ने कहा कि 28 सितंबर 2023 गुरुवार को अहले सुबह सांसद डॉक्टर जयसवाल, डीआरएम व पूर्व मंत्री रामचंद्र सहनी के द्वारा सुबह 4:30 बजे से आयोजित कार्यक्रम में ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। वहीं स्टेशन मास्टर सुनीलमणि तिवारी ने बताया कि यह ट्रेन सुबह 5:05 बजे प्रतिदिन सुगौली से खुलेगी जो धरमीनीया, रामगढ़वा, रक्सौल, सीतामढ़ी होते हुए दानापुर पटना में दिन में 10:00 बजे तक पहुंचेगी।

आंगनबाड़ी केंद्र में मनाया गया पोषण पखवाड़ा

मोटे अनाज के सेवन की दी गयी जानकारी

बीएनएम@बेतिया। नगर के लोहारपट्टी स्तिथ आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 49 पर बुधवार को सेविकाओं ने पोषण पखवाड़ा मनाया गया।

कार्यक्रम में विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका शामिल हुई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय पोषण मिशन की प्रखंड समन्यवक नीतू कुमारी द्वारा गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को संतुलित आहार लेने का सुझाव दिया गया।कार्यक्रम में अभियान के तहत फलाहार पोषण आहार के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई साथ ही गांव के लोगों को पोषण युक्त आहार के बारे में बताया गया।वही गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को संतुलित आहार लेने का सुझाव दिया।

इस मौके पर विभिन्न प्रकार की सब्जी एवं फूल से कुपोषण के जन जागरूकता के तहत प्रदर्शनी भी लगाई गई है। उपस्तिथ सीडीपीओ कुमारी श्वेता ने कहा कि सामुदायिक स्तर पर

गर्भवती एवं धात्री महिलाओं, किशोरियों तथा 6 वर्ष से कम उम्र के सभी बच्चों के पोषण स्तर में सुधार लाने के लिए इसे जन आंदोलन के रूप देने का प्रयास किया जा रहा है। पोषण पखवाड़ा के तहत मोटे अनाजों को अधिक इस्तेमाल पर जोर दिया गया है। कार्यक्रम में पोषण माह में उत्कृष्ट कार्य के लिए सीडीपीओ कुमारी श्वेता द्वारा राष्ट्रीय पोषण मिशन की प्रखंड समन्यवक नीतू कुमारी, महिला पर्यवेक्षिका दीपमाला कुमारी, सुधा कुमारी, प्रतिभा कुमारी, निम्नवर्गीय लिपिक पप्पू कुमार, आंगनबाड़ी सेविका चंदा देवी, खुश्बू कुमारी, सुषमा पांडेय शहाना बेगम, चंदा बेगम को प्रशस्ति-पत्र दिया गया है।

मिडिल स्कूल तुरकौलिया के प्रधानाध्यापक बने विनोद भगत

तुरकौलिया। प्रखंड मुख्यालय के चर्चित विद्यालय राजकीय मध्य विद्यालय तुरकौलिया बालक के प्रधानाध्यापक विनोद भगत बने हैं, वे शिक्षा विभाग के स्नातक प्रमोशन से प्रधानाध्यापक बने हैं। जिसको लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी एव प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने चिन्हित मध्य विद्यालय तुरकौलिया बालक में योगदान करने हेतु आवश्यक निर्देश संबंधित शिक्षक को दे दिए हैं। तदनुसार शिक्षक ने राजकीय मध्य विद्यालय में योगदान देकर प्रधानाध्यापक के पद पर आसीन हो गए हैं। प्रधानाध्यापक बनने की खुशी में शिक्षक वीरेंद्र कुमार, राज किशोर राम, रूपेश कुमार, जलेन्द्र कुमार, रानी कुमारी, गुजा कुमारी, सरिता कुमारी, विनोद पंडित, इमरान अहमद ,जलालुद्दीन अंसारी सहित आदि सभी शिक्षको ने बधाई दिया है।

जंगल कैंप परिसर में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

बीएनएम@बगहा

जिले के वाल्मीकि नगर स्थित जंगल कैंप परिसर में बुधवार को विधिवत जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस एक दिवसीय शिविर को बगहा व्यवहार न्यायालय के पैनल अधिवक्ता रामअवध सिंह ने संबोधित किया है। इस क्रम में उन्होंने कहा कि इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा देने का थीम रखा गया है। इसी के परिप्रेक्ष्य में विश्व पर्यटन दिवस पर विधिक सेवा प्राधिकार समिति पटना के तत्वाधान में पर्यटन को लेकर यह शिविर आयोजित की गई है।

अधिवक्ता राम अवध सिंह ने आगे कहा कि कोविड-19 के चलते पर्यटन उद्योग पर बुरा प्रभाव पड़ा है। अब पर्यटन को प्रोत्साहित करने में हमें मदद मिल रही है। इस वर्ष इंडोनेशिया के बाली में आयोजित होने वाली विश्व पर्यटन दिवस का थीम है- पर्यटन पर पुनर्विचार। लीगल सर्विस स्किम एडीआर मैकेनिज्म और नेशनल लोक अदालत के विषय पर जिला जज पश्चिमी चंपारण बेतिया एवं अवर न्यायाधीश प्रथम बगहा की पहल पर योग शिविर लगाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि यूएनओ ने 1970 में पर्यटन से संबंधित कानून पहली बार बना था। विधिक सेवा के बारे में जानकारी देते हुए अधिवक्ता राम अवध सिंह ने कहा कि लोक अदालत के तहत सुलह कराये जाने वाले सभी वादों का ऑन द स्पॉट निपटारा कराया जाता है।

लोकअदालत द्वारा दिए गये फैसले को किसी भी न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती है। इस शिविर में पीएलवी अमजद मियां ने भी अपने मन का उद्गार प्रकट किए। आयुर्वेदिक कंपनी एडब्लूपीएल परिवार के लोगों ने भी अपने-अपने विचार रखे। इस अवसर पर अधिवक्ता राम अवध सिंह, अमजद मिया, अरुण मिश्रा, भोलू श्रीवास्तव, डॉ दिलीप कुमार, ज्योति शंकर सिन्हा, चंदन श्रीवास्तव, अर्चिता कुमारी वंरक्षी, मुकेश कुमार आदि लोग उपस्थित थे।

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के वन क्षेत्र में मनाया गया विश्व पर्यटन दिवस

बीएनएम@बगहा। वाल्मीकि व्याघ्रपरियोजना के वन क्षेत्र में विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर वन कर्मियों के साथ स्कूली बच्चों ने भाग लेकर वाल्मीकि नगर वन क्षेत्र के जंगल कैंप ,इको पार्क, कालेश्वर झूला एवं जटाशंकर नाका आदि पर्यटन स्थलों पर इको टूरिज्म के वनपाल नीरज कुमार के नेतृत्व में विश्व पर्यटन दिवस बुधवार को मनाया है।

इस दौरान वनपाल नीरज कुमार ने देश-विदेश से आने वाले पर्यटक व सैलानियों के बारे में जानकारी दी। साथ ही पर्यटन दिवस के मौके पर स्कूली छात्र-छात्राओं के साथ मिलकर स्वच्छता पखवाड़ा भी मनाया। जिसके माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया कि हम सब का कर्तव्य है कि अपने चारों तरफ स्वच्छ रखें, क्योंकि स्वच्छता से ही स्वस्थ जीवन का बहुमूल्य चीज़ है। मौके पर इको टूरिज्म के वनपाल नीरज कुमार वनपाल सोनू कुमार, वनरक्षी आजाद कुमार, वनरक्षी शशि रंजन कुमार, वनरक्षी गजेंद्र कुमार सिंह आदि के अलावा कई वनकर्मी व स्कूल के छात्र-छात्राओं के साथ ग्रामीण उपस्थित रहें।

शामिल 2 अक्टुबर की रैली में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया गया है।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी बेतिया नगर निगम कमिटी का बार्षिक सम्मेलन सम्पन्न

बीएनएम@बेतिया

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी बेतिया नगर निगम कमिटी का बार्षिक सम्मेलन बलिराम भवन के सभागार में कामरेड कैलाश प्रसाद एवं कामरेड भुटकुन प्रसाद की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, सर्वप्रथम सम्मेलन के अवसर पर झडोतोलन किया गया। तथा उसके बाद कामरेड जवाहर प्रसाद, आतुल्लाह, ईरफान साहेब एवं बुच्ची देवी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए जिला सचिव ओम प्रकाश क्रांति ने देश की राजनीतिक परिस्थिति एवं पार्टी के गौरवशाली इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच पार्टी कार्यक्रम की चर्चा की गई। तथा इस देश के संबिधान, लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता के साथ साथ गरीबों मजदूरों के हको की रक्षा के लिए संघर्ष तेज करने का

आह्वान किया, बेतिया शहरी क्षेत्र में प्रीपेड मीटर पर रोक लगाने, सभी शहरी भूमिहिनों को 5 डिसमिल जमीन देने, सभी जर्जर सडकों की मरम्मती करने, जल जमाव से शहर को मुक्त कराने, रेहड़ी पट्टी पर दुकान लगा कर पेट पालने वाले के लिए स्थायी जगह की व्यवस्था करने, राशन कार्ड से बंचित लोगों को राशन देने आदि मांगों को लेकर 10 अक्टुबर को नगर निगम कार्यालय पर प्रदर्शन करने का निर्णय सम्मेलन में लिया गया है।

प्रभारी अंचल सचिव ने एक बर्षो के कार्य का लेखा जोखा प्रस्तुत किया, जिस पर गंभीर बहस में अंजारूल, समर दता, लक्की, गायत्री, कलावती, कैलाश धावन, नरेन्द्र सिंह, संतोष यादव, मुकेश राम, ने भाग लिया है। अगले बर्ष के लिए 17 सदस्यों की नगर निगम कमिटी का गठन किया गया और सचिव पद पर संजय सिंह, उप सचिव कैलाश प्रसाद को सर्वसम्मति से चुना गया है। वहीं आने वाली 2 अक्टुबर की रैली में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया गया है। सम्मेलन में प्रतिनिधि के रूप में प्रेमा देवी, संगीता देवी, रूकमिना देवी, बगडी देवी, भुख्तारी देवी, किशोरी महतो, राधा महतो, उमा महतो, साफे सर अली, नन्दू साह, राकेश श्रीवास्तव, फुल महम्मद, सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

लाखों का अभ्रक से लदा ट्रक किया जप्त, प्राथमिकी दर्ज

नवादा। अवैध उत्खनन कर अभ्रक तस्करी का गढ़ बना नवादा जिले के रजौली थानाक्षेत्र के सवैयाटांड़ पंचायत के सपही मैं बुधवार को झारखंड पुलिस तथा नवादा जिले के वन विभाग के अधिकारियों ने लाखों रुपए मूल्य का अभ्रक लदा वाहन जप्त कर लिया है। अपराधियों तथा तस्करों द्वारा इन इलाकों में बड़े पैमाने पर खनन विभाग के अधिकारियों की मिली भगत से अवैध उत्खनन कर महीने में करोड़ों रुपए मूल्य के अभ्रक की तस्करी की जा रही है। अबरक लदा एक शक्तिमान ट्रक को जप्त किया गया है। इस कारोबार में शामिल एक अबरक माफिया के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। बताया कि अबरक का अवैध खनन कर शक्तिमान से लाया जा रहा है। सूचना के आलोक में विशेष टीम गठित किया गया। उसके बाद झारखंड पुलिस के सहयोग से छापेमारी की गई। इसी दौरान सपही मुख्य मार्ग से अबरक लदा एक सक्तिमान ट्रक को जप्त किया गया है।

महिलाओं व बच्चियों को बीमारी से बचाना ब्रावो फाउंडेशन का उद्देश्य: राकेश

- कहा, सेनेटरी नैपकिन वितरण अभियान लगातार रहेगा जारी

- ब्रावो फाउंडेशन ने की चौथे चरण की अभियान की शुरुआत

मोतिहारी। ब्रावो फाउंडेशन ने ग्रामीण क्षेत्रों में सेनेटरी नैपकिन के प्रति जागरूकता फैलाने व वितरण अभियान की चौथे वर्ष में अपने चौथे चरण की शुरुआत कर दी है। फाउंडेशन ने अभियान अंतर्गत चौथे चरण में सेनेटरी नैपकिन के प्रति जागरूक करने के साथ बड़ी संख्या में महिलाओं के बीच निःशुल्क सेनेटरी नैपकिन बांटे गये हैं। पिपराकोठी प्रखंड अंतर्गत सलेमपुर, सूर्यपुर व मधु छपरा पंचायत के अलावा मेहसी प्रखंड के उझीलपुर, परतापुर व कटहां पंचायत में सेनेटरी नैपकिन बांटा गया। फाउंडेशन का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। ब्रावो फाउंडेशन के मुख्य संरक्षक सह ब्रावो फार्मा के सीएमडी राकेश पांडेय ने कहा कि महिलाओं व बच्चियों को गंभीर बीमारी से बचाने के उद्देश्य से अभियान चलाया जा रहा। माहवारी के समय महिलाओं की जागरूकता और सावधानियां ही उन्हें कई गंभीर बीमारियों से बचा सकती हैं।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में आज भी अधिकांश महिलाएं इसको लेकर जागरूक नहीं हैं। हमारा फर्ज बनता है कि हम महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा सेनेटरी नैपकिन इस्तेमाल करने के लिए जागरूक करें, जिससे वे बीमारी से बच सकें। फाउंडेशन की यह अभियान महिला सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। बताते चले कि सेनेटरी

नैपकिन फाउंडेशन में कार्यरत महिलाएं द्वारा ही बनाकर तैयार किया जाता है। इस अभियान में शामिल फाउंडेशन की अंजनी तिवारी, लिप्सी कुमारी, पूजा कुमारी, नेहा कुमारी, चुनमुन कुमारी, बबिता सिंह, सोनी कुमारी, सोनी देवी, संजू देवी आदि सक्रिय हैं।

रैगिंग मानवीय मूल्यों पर आघात: प्रॉक्टर प्रो. सिंह

बीएनएम@मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के बुद्ध परिसर में प्रॉक्टोरियल बोर्ड द्वारा नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए एंटी रैगिंग जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलानुशासक (प्रॉक्टर) प्रो. प्रणवीर सिंह ने कहा कि रैगिंग मानवीय और सामाजिक मूल्यों पर आघात है। एक हानिकारक प्रथा है जो शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों के विकास और कल्याण में बाधा डालती है। रैगिंग रोकना संस्थान का कर्तव्य है। विश्वविद्यालय के प्राक्टोरियल बोर्ड की यह हमेशा कोशिश रही है कि हमारा संस्थान रैगिंग मुक्त हो। हालांकि इस बात की खुशी है कि अभी तक रैगिंग संबंधित कोई भी शिकायत हमें सुनने को नहीं मिली है और आशा करता हूं कि आप सभी नवप्रवेशित छात्र - छात्रा आगे भी इस कृत्य से बचेंगे और अपनी उर्जा को एक सकारात्मक दिशा देंगे।

स्वागत उद्बोधन देते हुए डिप्टी प्रॉक्टर डॉ सपना सुगंधा ने कहा कि रैगिंग एक बहुत ही निंदनीय व्यवहार है चाहे वो शारीरिक रूप से हो या मानसिक। हमें हमेशा अपने सहपाठियों तथा जूनियर के साथ भाईचारे का संबंध स्थापित करने की कोशिश करनी चाहिए। एक दूसरे के प्रति मदद की भावना होनी चाहिए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डिप्टी प्रॉक्टर डॉ नरेन्द्र सिंह ने कहा कि रैगिंग एक अपराध हैं हमें ऐसे कृत्य से बचने की कोशिश करनी चाहिए। कोई भी विद्यार्थी जो रैगिंग करता है चाहे वो प्रत्यक्ष रूप से हो या अप्रत्यक्ष से उसे दंडित किया जाएगा। प्रॉक्टर डॉ गरीमा तिवारी ने कहा कि रैगिंग एक उच्च श्रेणी का अपराध हैं जिससे हम सभी को बचने की कोशिश करनी चाहिए। अगर आपके साथ किसी भी प्रकार की रैगिंग होती हैं तो आप हमें तुरंत सूचित करें।

जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी

बीएनएम@मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य रूप से जून 2023 तिमाही की जिलान्तर्गत सभी बैंकों की समीक्षा की गई।

उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी लाभुकों को बैंकों द्वारा ऋण देने में आनाकानी न करें एवं लाभुकों को ऋण मुहैया करने में अनावश्यक परेशान न करें। उन्होंने कहा कि बैंकों से जमा साख का पूरा अनुपात बढ़ाना भी सुनिश्चित करें। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त ,माननीय महापौर नगर निगम, जिला बैंकिंग उपसमाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी मोतिहारी सदर, अग्रणी बैंक जिला प्रबंधक, डीडीएम नाबार्ड, नगर आयुक्त, क्षेत्रीय प्रबंधक एवं सभी जिला समन्वयक आदि उपस्थित थे।

जनसंवाद का एक-एक सुझाव है अमूल्य : जिलाधिकारी

अबतक किसी कारणवश वंचित पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करने हेतु किया जाएगा समुचित प्रयास

बेतिया। विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजनों को प्रदान करते हुए उनके सुझाव एवं प्रतिक्रिया प्राप्त कर उनका नियमानुकूल निराकरण करने हेतु आज गौनाहा प्रखंड अंतर्गत जमुनिया तथा नरकटियागंज प्रखंड अंतर्गत भभटा पंचायत में जन संवाद कार्यक्रम का सफलतापूर्वक का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी, श्री दिनेश कुमार राय द्वारा जन संवाद कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया गया। वहीं, जनसंवाद कार्यक्रम के तहत जिलास्तरीय सभी पदाधिकारी द्वारा कृषि, पीएचईडी, शिक्षा, श्रम संसाधन, कल्याण, स्वास्थ्य, लोक शिकायत निवारण, पंचायती राज, ऊर्जा, ग्रामीण विकास, सहकारिता, अल्पसंख्यक कल्याण, समाज कल्याण, आपदा प्रबंधन, खाद्य एवं उपभोक्ता, पथ निर्माण, ग्रामीण कार्य विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा संचालित विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपस्थित ग्रामीणों को दी गयी। गौनाहा प्रखंड के जमुनिया में आयोजित कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख जयप्रकाश पासवान ने विद्यालयों में बच्चों के लिए ससमय पुस्तक उपलब्ध कराने, दाखिल खारिज से संबंधित मामलों का त्वरित गति से निष्पादन करने, ताड़ी की खेती तथा उससे बनने वाले गुड़ को बढ़ावा देने, बच्चों के बीच पनप रहे नशापान को दूर करने हेतु अपना महत्वपूर्ण सुझाव दिया। वहीं उपप्रमुख राजेश गढ़वाल ने कहा कि सुदूर क्षेत्र में जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन सराहनीय है। इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन एक तरह से अंधेरे में रौशनी जलाने की तरह है। इन्होंने रेफरल अस्पताल में डॉक्टर की उपलब्धता एवं संख्या बढ़ाने, सीमा सड़क, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बांध निर्माण आदि के संबंध में अपनी बात कही। आसिफ हुसैन ने विद्यालय में शौचालय की समुचित व्यवस्था, नल-जल आदि के के संदर्भ में सुझाव दिए गये हैं।

आक्रोश देश में एक ऐसी सरकार चल रही है जो महिलाओं के बलात्कार व हत्या पर चुप रहती है।

खुसरुपुर की वीभत्स व अमानवीय घटना के खिलाफ भाकपा-माले और ऐपवा की प्रतिवाद सभा

भाजपा-आरएसएस ने जो माहौल बनाया है, उसके कारण दलितों-महिलाओं पर बढ़ रही है हिंसा।

सूदखारी के जकड़न में है बिहार का ग्रामीण समाज, सूदखोरी खत्म करवाए सरकार

बीएनएम@बेतिया। पटना जिले के खुसरूपुर प्रखंड के मोसिमपुर में एक दलित महिला की पिटाई और उसके मुंह पर पेशाब करने की बेहद क्रूर व अमानवीय घटना के खिलाफ आज बेतिया जिला पदाधिकारी के समक्ष भाकपा-माले व ऐपवा की ओर से संयुक्त प्रतिवाद मार्च कर सभा किया गया।

प्रतिवाद सभा को भाकपा-माले जिला कमेटी सदस्य सुनील कुमार राव ने संबोधित करते हुए कहा कि खुसरूपुर में जो घटना हुई, वह मनुस्मृति वालों की घटिया मानसिकता का निकृष्ट उदाहरण है। कुछ लोग कह रहे हैं कि यह तो बिहार का मामला है, इसमें भाजपा कहां से आती है। लेकिन असल सवाल यह है कि दलितों-महिलाओं को अपमानित करने और उन्हें सबक सिखाने की यह क्रूर मानसिकता आखिर ताकत कहां से पा रही है? मणिपुर में एक महिला को जैसे नंगा करके घुमाया गया और केंद्र सरकार उसका संरक्षण करती रही, इस कारण ऐसी मानसिकता बढ रही है।

लोग देख रहे हैं कि देश में एक ऐसी सरकार चल रही है जो महिलाओं के बलात्कार व हत्या पर चुप रहती है। कुछ दिन पहले मध्यप्रदेश में एक आदिवासी पर भाजपा के एक नेता ने पेशाब किया और फिर उसका वीडियो बनाकर प्रचारित किया। कार्रवाई के नाम पर भाजपा के उस नेता के घर का छज्जा भर तोड़ा गया। संसद के अंदर भाजपा का नेता गालियां की भाषा में बात करता है। ऐसी स्थिति में अपराधियों-हमलावरों का मनोबल क्यों नहीं बढ़ेगा? इनौस जिला अध्यक्ष फरहान राजा ने कहा कि हमारी पहलकदमी पर खुसरपुर में रविदास टोले में पुलिस बल बैठा दिया गया है, पीड़ित महिला को एक लाख रु. का सहयोग मिला है, मुख्यमंत्री ने संज्ञान लिया है, लेकिन ये सब होते हुए भी अपर्याप्त हैं।

हमारी मांग हैं कि सभी अपराधियों और सूदखोरों को गिरफ्तार किया जाए और रविदास समुदाय के सभी 8 परिवारों का पुनर्वास कराया जाए। माले नेता सीताराम राम ने कहा कि किसी समुदाय को यदि ज्यादा अपमानित करना है, तो उसकी महिलाओं की इज्जत उतार दो, निर्वस्त्र कर दो। खुसरूपुर में यही हुआ। महिला के पति को नहीं पीटा गया, बल्कि महिला के चेहरे पर पेशाब किया गया। यह मानसिकता देश के प्रधानमंत्री का बना हुआ है. वे तो मानते ही हैं कि जो दलित परिवार हैं उनका गटर में प्रवेश करना, भगवान का आध्यात्मिक आदेश है. यही मनुस्मृति कहता है। मनुस्मृति ही कहता है कि मन न लगे तो किसी भी महिला या दलित को पीट दीजिए. हमें इस मानसिकता पर चोट करनी होगी।

कुंवर ने कहा कि सभी अपराधियों की अविलंब गिरफ्तारी हो। यदि अपराधी फरार हैं तो उनके घरों की कुर्की जब्ती की जाए। एक भी अपराधी बचना नहीं चाहिए। सूदखोरी एक गंभीर समस्या है। इसके कुचक्र में दलित-गरीब उलझे हैं। हमने बिहार सरकार से बारंबार कहा है कि सूदखोरी का अंत होना चाहिए।

बच्चों में बढ़ती ऑनलाइन शापिंग की आदत, कैसे कंट्रोल करें

स्नेहा सिंह

बच्चों की ऑनलाइन शापिंग की आदत बड़ों का बजट बिगाड़ देती है। अगर मां-बाप बच्चों की छोटी उम्र से ही बचत की आदत डालते हुए पालें-पोसें तो आगे चल कर उनकी जिंदगी आसान बन जाएगी। पूर्वी, तुमने फिर से शापिंग की? मेरे एकाउंट से दो हजार रुपए कट गए हैं। मोना ने बेटी से पूछा। पूर्वी अभी भी फोन में शापिंग साइट्स सर्च कर रही थी। फोन में ही आंखे गड़ाए हुए उसने कहा, हां मॉम, कल की है, दो टीशर्ट खरीदी हैं। एक बेल्ट फ्री मिली है। और हां, एक जींस आज ली है। केवल 999 की।

अरे, पर तुम्हें पूछना तो चाहिए। मुझे आज लाइट बिल भरना है। अब कुछ मत खरीदना ऑनलाइन, खाते में थोड़े ही रुपए हैं। कालेज की फीस भी तो भरनी है। अभी फिल्म देखने या घूमने न जाओ तो ठीक रहेगा। जब तक कोरोना का नुकसान न पूरा हो जाए, ज्यादा पैसे मत खर्च करो। पैसा बचाना सीखो बेटा। देखो न, लाइट बिल ही तीन हजार रुपए आया है। जिस तरह एसी चलाती हो, उस तरह कोई एसी चलाता है।

इंटरनेट का भी खर्च थोड़ा कम करो। एक तो सागसब्जी कितनी महंगी हो गई है। भगवान न करे ऐसे में किसी की तबीयत खराब हो गई तो अस्पताल का खर्च फाइवस्टार होटल की तरह आता है। इसीलिए तो हमारे बड़े-बुजुर्ग कहते थे, 'जितनी चादर हो, उतना ही पैर फैलाओ।'

मोना ने पूर्वी को अपनी बात समझाने की बहुत कोशिश की कि उनकी बात बेटी के गले उतर जाए, पर पूर्वी की पिन तो मोबाइल की ऑनलाइन आकर्षक शापिंग पर ही चिपकी थी। अब इस बात में चादर कहां से आ गई? लेनी है क्या? देखो, यह कॉटन की चादर कितनी अच्छी है। आर्डर कर दूं? कलर कितना सुपर है।

न, नहीं चाहिए। वैसे भी फोटो में बहुत अच्छी लग रही है। पर आने पर रंग कुछ और ही निकलता है।

तो वापस कर देंगे।

पर बिना जरूरत के कोई भी चीज खरीदने की जरूरत ही क्या है? इस तरह रोज-रोज खरीदारी करने से तो खजाना ही लुट जाएगा। मम्मी एक काम कीजिए। पापा से कह कर मुझे क्रेडिट कार्ड दिला दीजिए। आप को बैलेंस देखने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

पूर्वी अपनी बात कह रही थी कि तभी उसके पापा रजनीश आ गए। उन्होंने कहा, बोलो... बोलो, मेरी राजकुमारी को क्या चाहिए? क्रेडिट कार्ड चाहिए पापा। मम्मी अपने एकाउंट से खर्च ही नहीं करने देतीं। मम्मी बहुत कंजूस है न पापा। मुझे क्रेडिट कार्ड दिला दीजिए। मैं ज्यादा शापिंग नहीं करूंगी। केवल कपड़ा और शूज बस?

पूर्वी को पता था कि उसकी मीठी-मीठी बातों में पापा आ ही जाएंगे। इसलिए उनके नजदीक जा कर प्यार से मस्का लगाने लगी।

पर पूर्वी मैं तुम्हें समझा रही हूं कि बिना जरूरत के शापिंग नहीं करनी है। मोना चिल्लाई।

करेगी... मेरी बेटी करेगी। मोना एक ही तो बेटी है। इसके तो शौक पूरे करने देना चाहिए न? रजनीश ने बेटी का पक्ष लेते हुए कहा। मोना ने कहा, अगर यह अभी से बचत करना नहीं सीखेगी तो पछताएगी। तुम ही इसे समझाओ। अलमारी भरी है। पैसा कमाने के लिए हम दोनों कितनी मेहनत करते हैं।

ठीक है। पर सब इसी के लिए तो है। बेटा, तुम्हारा क्रेडिट कार्ड कल बनवा देता हूं।

यस्स, अब तो मजा ही मजा। मम्मी, आप तो देखती ही रह गई। अब तो मैं खूब शापिंग करूंगी। कहते हुए पूर्वी खुशी के मारे घर से बाहर निकल गई। एक महीने बाद रजनीश ने देखा कि क्रेडिट कार्ड से पूर्वी ने दस हजार की शापिंग की थी। मोना ने कहा, इस तरह तो इस लड़की की शापिंग की लत लग जाएगी।

अब क्रेडिट कार्ड वापस लेना भी आसान नहीं था। क्रेडिट कार्ड वापस लेने पर पूर्वी को बुरा लग गया और उसने कोई गलत कदम उठा लिया तो? एकलौती बेटी को नाराज करना उचित नहीं था। इसलिए उन्होंने कोई

दूसरा उपाय अपनाने के बारे में सोचा।

रजनीश और मोना ने मिल कर एक व्यवस्थित प्लान बनाया। उन्होंने पूर्वी को बुलाया। पहले तो उसके द्वारा की गई शापिंग को देखा। तारीफ भी की। फिर एक-दो चीज के लिए पूछा भी, यह तो अपने पास थी न? यह टॉप महंगा नहीं लग रहा?

पर पूर्वी इस तरह उत्साह में थी कि उसे जरा भी पछतावा नहीं हुआ। यह देख कर रजनीश ने कहा, अगले महीने से हम तुम्हें एक ऑफर देने के बारे में सोच रहे हैं। मैं तुम्हारे खाते में पांच हजार रुपए जमा कराऊंगा। बस, पांच हजार? पूर्वी तुरंत बोल पड़ी। इसलिए मोना ने कहा, यहां ऐसे तमाम लोग हैं, जिनका इतना वेतन भी नहीं है बेटा। ऐसा मत बोलो, पांच हजार में तो पूरे महीने का राशन आ जाता है। रजनीश ने कहा, अरे सुनो तो सही, मैं तुम्हें पांच हजार दूंगा, इसमें से जितना तुम बचाओगी, उतना अगले महीने अधिक दूंगा। समझ लीजिए कि तुम ने चार हजार खर्च किए तो अगले महीने छह हजार मिलेंगे और बिलकुल न खर्च करूं तो दस हजार? हां, पर हर महीने तुम्हारी खर्च की लिमिट पांच हजार ही रहेगी। बाकी की बचत तुम्हारे खाते में जमा रहेगी। साल के अंत में उसमें से तुम्हारी पसंद की कोई चीज दिला देंगे। मोबाइल या फिर लैपटॉप?

कोई भी चीज जो तुम्हें पसंद होगी।

ओके डन। पूर्वी को यह अच्छा लगा। अगले महीने से स्कीम चालू हो गई। पूर्वी ने दो हजार बचाए। राज ने उस महीने हजार रुपए दिए। पूर्वी का उत्साह बढ़ता गया। उसकी बचत करने की आदत बनती गई और खर्च अपने आप घटता गया। आजकल ऑनलाइन शापिंग की आदत बड़ोंबड़ों का बजट बिगाड़ देती है। अगर सभी किसी न किसी तरह बचत का विकल्प अपनाएं तो खर्च अपने आप घट जाएगा और अगर ऑनलाइन शापिंग की आदत बढ़ती ही जाए तो खुद ही कार्ड जमा करा दें तो अच्छा रहेगा।

पहले मां-बाप खुद ही अपना फालतू का खर्च कम करें और बच्चों में कम उम्र से ही बचत की आदत डालें, जिससे उनकी जिंदगी आसान बन जाए।

पैसे बचाना कोई 'रॉकेट साइंस' नहीं, बस न करें ये गलतियां

जब भी हम लोन लेने की सोचते हैं, एक अहम सवाल हमारा पीछा करता है। वह है क्रेडिट स्कोर...। क्रेडिट इन्फोर्मेशन ब्यूरो (इंडिया) लिमिटेड (सिबिल) एक क्रेडिट रेटिंग फर्म है, जो 550 मिलियन से अधिक उपभोक्ताओं तथा संगठनों की क्रेडिट हिस्ट्री को मैनेज करती है। इसमें वित्तीय संस्थानों, एनबीएफसी, बैंकों एवं होम फाइनैंसिंग कंपनियों सहित 2400 से अधिक सदस्य शामिल हैं। यह ऋण लेने वाले की स्थिति का अनुमान लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

अधिक सिबिल स्कोर होने पर व्यक्ति या संस्थान को लोन मिलने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं दूसरी ओर सिबिल स्कोर कम होने पर, अगर लोन मिल भी जाए तो भी ब्याज अधिक देना पड़ता है। सही तरीके अपनाकर आप अपनी क्रेडिट रेटिंग में सुधार ला सकते हैं।

समय पर चुकाएं ईएमआई: होम लेने लेते समय आप अलग-अलग होम लोन के बीच तुलना करें। देखें कि किसमें आपको ऑफर मिल रहे हैं या फायदा होता है। होम लोन के कई फायदे होते हैं। सबसे पहले तो आपको कर में फायदा मिलता है। सरकार होम लोन पर मूल राशि एवं ब्याज पर कर में छूट देती है। अगर आप दूसरे घर के लिए लोन ले रहे हैं तो आयकर की धारा 24बी के तहत होम लोन के ब्याज की पूरी राशि पर छूट मिलती है। इसके अलावा अन्य कई फायदे भी हैं।

हालांकि जब भी होम लोन लें, आप पूरी योजना बनाकर चलें कि आपको समय पर ईएमआई चुकानी है। सोच-समझ कर फैसला लें कि आपको कितना कर्ज लेना है। आप प्री-पेमेंट की योजना भी बनाकर चल सकते हैं। इसके लिए सही बजट बनाएं, उसी के हिसाब से प्रॉपर्टी ढूंढें, फिर विभिन्न बैंकों के लोन की तुलना करें। उसके बाद ही आवेदन करें।

कैसे सुधारें क्रेडिट स्कोर: आप जब भी ऋण लें, उसे चुकाने में अनुशासन बरतें। भुगतान के लिए रिमाइंडर लगाएं। अपनी क्रेडिट लिमिट सेट कर लें। अगर लोन रिजेक्ट हो जाए तो आवेदन न करें। क्रेडिट कार्ड के बिल का भुगतान समय पर करें। एक समय में बहुत सारा लोन एक साथ न लें।

इंडेक्स फंड में निवेश: इंडैक्स फंड में निवेश करें। ये आपके दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए फायदेमंद हैं।

खुलवा रहे हैं बच्चों का Bank Account तो ध्यान रखें

आज के समय में वित्तीय सेवाएं एक आयु वर्ग तक सीमित नहीं रह गई हैं। एक नाबालिग भी बड़ी आसानी से अपना बैंक अकाउंट रख सकता है और उसे ऑपरेट कर सकता है। 2014 के बाद से आरबीआई की ओर से 10 साल के अधिक के बच्चों को ये सुविधा दे गई है, जिसके बाद बच्चों के लिए खाता खुलवाना काफी आसान हो गया है।

बच्चों के लिए आईसीआईसीआई बैंक यंग स्टार्स अकाउंट, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया पहला कदम और पहली उड़ान, एचडीएफसी बैंक किड्स एडवांटेज और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का युवा बैंकिंग खाता है लेकिन नाबालिगों का खाता खोलते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए, जिसके बारे में हम इस रिपोर्ट में बताने जा रहे हैं।

बच्चे की उम्र

ज्यादातर बैंकों में नाबालिगों के लिए दो प्रकार के खाते होते हैं। एक दस साल से कम के बच्चों के लिए और दूसरा 10 साल से 18 साल के बच्चों के लिए होता है। बड़ी बात यह है कि अगर बच्चा 10 साल से छोटा है, तो माता- पिता को उसके साथ संयुक्त रुप से संचालित करना होता है।

न्यूनतम बैलेस और बैंकिंग सुविधाएं

नाबालिगों को भी बैंक सभी प्रकार की सुविधाएं देते हैं। अधिकतर बैंकों में न्यूनतम बैलेस की सीमा 2500 रुपये से लेकर 5000 रुपये है। इसके अलावा इन खातों पर सभी प्रकार की बैंकिंग सुविधाएं दी जाती हैं, जिसमें चेक बुक, इंटरनेट बैंकिंग और एटीएम शामिल हैं।

डेबिट कार्ड

कुछ बैंक फोटो के साथ डेबिट कार्ड जारी करते हैं, जबकि कुछ बैंक के कार्ड पर माता-पिता या फिर बच्चे का नाम हो सकता है। सुनिश्चित करें कि खाते पर एसएमएस अलर्ट सुविधा सक्रिय है, जिससे लेनदेन की बारे में जानकारी तुरंत प्राप्त हो। इसके साथ ही बच्चे को यह दिखाने के लिए एटीएम तक ले जाएं कि पैसे सुरक्षित तरीके से कैसे निकाले जाएं।

खर्च करने की सीमा

नाबालिग खाते के साथ खर्च करने की सीमा भी जुड़ी होती है। हालांकि यह बैंक पर निर्भर करती है। आप बैंक की ओर से दी गई सीमा के मुताबिक 1000 रुपये, 2,500 रुपये और 5000 रुपये तक हो सकती है। बैंक से आप एक वित्त वर्ष में माता-पिता की सहमति के बिना 50,000 रुपये और सहमति के साथ 2 लाख रुपये निकाल सकते हैं।

अर्चना शर्मा कोटा, राजस्थान

कविता : ...वो दोस्ताना

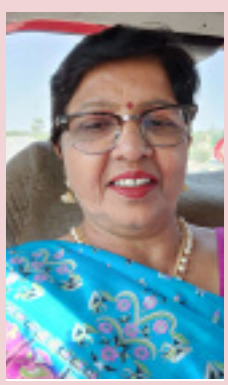

राह सुनसान,
पथरीले रास्ते,
कंटीली झाड़ियां,
घनघोर अंधेरा,
हाथ को नहीं
सूझता हाथ।।

अनजान मुसाफिर,
भयभीत मन,
धड़कता दिल,
फिसलता पांव,
गिरने से पहले ही
संभालते हाथों में
सच्ची दोस्ती का
आमंत्रण,
संभल कर,
स्वीकार कर
भाग्यशाली हो
मुस्कुराने लगी।।

मिल कर बिछुड़ गए
जैसे रात गई और
बात गई,
ऐसा दोस्त फिर
कभी मिला नहीं,
याद रहा बस
वो दोस्ताना ।।

पटना में हैं कई खूबसूरत और ऐतिहासिक जगहें

पटना शहर में पर्यटकों के घूमने के लिए कई बेहतरीन जगहें हैं। यहां संग्रहालय, पुस्तकालयों, विभिन्न धर्मों के पूजा स्थलों, पार्कों और स्मारकों, चिड़ियाघर और मनोरंजन पार्कों आदि में संरक्षित प्राचीन सभ्यता के अवशेष हैं। हम आज आपको बता रहें हैं की आप पटना में कहां कहां घूम सकते हैं। बिहार की राजधानी पटना ने अपने यात्रा की शुरुआत प्राचीन मगध साम्राज्य से की। पटना उस वक्त पटलीपुत्र के नाम से जाना जाता था। गंगा नदी के तट पर बसे इस खूबसूरत शहर ने देश की आजादी में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। पटना में दुनिया के प्रमुख धर्म जैसे हिंदू, बौद्ध, जैन और सिख कई तीर्थस्थल हैं। इसके अलावा भी पटना में घूमने के लिए कई बेहतरीन जगहें हैं। परंतु पटना अभी भी पर्यटकों के बीच एक आकर्षण का केंद्र नहीं बन पाया है। ऐतिहासिक शहर पटना में देखने के लिए बहुत कुछ है।

बिहार संग्रहालय

बिहार के गौरवशाली अतीत को जानने के लिए अपनी यात्रा की शुरुआत आप बिहार संग्रहालय से कर सकते हैं। यहां प्राचीन इतिहास से लेकर मॉडर्न इतिहास तक आपको सब कुछ मिलेगा। यहां मगध का उदय और उसके बाद के राजवंश, मौर्य साम्राज्य से मुगल शासन तक, संग्रहालय यह सब प्रदर्शनी के माध्यम से समझाता है। पटना के बेली रोड पर स्थित यह संग्रहालय सोमवार को छोड़कर सभी दिनों में सुबह 10।30 से शाम 5 बजे के बीच खुला रहता है

गोल घर

पटना का यह मील का पत्थर मूल रूप से 1786 के आसपास बना था। इसे वर्ष 1770 के अकाल में अनुभव की गई भोजन की कमी के बाद सेना के लिए अनाज रखने के लिए बनाया गया था। मजदूरों को इस पर चढ़ने में आसानी हो इस वजह से इस पर सीढ़ियां भी बनायी गई थी। आज जिसका इस्तेमाल पटना को ऊंचाई से देखने के लिए किया जाता है।

बड़ी पटन देवी

बड़ी पटन देवी एक लोकप्रिय तीर्थस्थल है। यह देवी सती (पार्वती का एक अवतार) से जुड़ा है। यह पटना के सबसे बड़े मंदिरों में से एक है। सहर में देवी को समर्पित अन्य मंदिर भी मौजूद हैं।

पटना साहिब

सिख समुदाय के लिए पटना एक बहुत ही सम्मानित शहर है। यहां सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोविंद सिंह का जन्म हुआ था। गुरु नानक और गुरु तेग बहादुर ने भी यहां का दौरा किया है। यहां से लगभग तीन किमी दूर गुरु की बाग है, जो गुरु तेग बहादुर की स्मृति से जुड़ा गुरुद्वारा है। पटना आए पर्यटकों को एक बार इन दोनों गुरुद्वारे जरूर जाना चाहिए।

महावीर मंदिर

पटना रेलवे स्टेशन पर संकटमोचन हनुमान को समर्पित यह भव्य मंदिर तीर्थ यात्रियों के लिए एक लोकप्रिय आकर्षण है। महावीर मंदिर में आपको अन्य देवी-देवता भी मिलेंगे।

कुम्हरार पार्क

पटना के केंद्र में स्थित कुम्हरार पार्क उस समय की याद दिलाता है जब पटना को पाटलिपुत्र और मगध की राजधानी के रूप में जाना जाता था। पुरातत्वविदों को यहां पुरानी संरचनाएं (जैसे कि एक असेंबली हॉल) और मिट्टी के बर्तन मिले हैं।

बुद्ध स्मृति पार्क

पटना के फ्रेज़र रोड पर स्थित पार्क में 200 फीट ऊंचा करुणा स्तूप बनाया गया है, जिसे भगवान बुद्ध की 2554 वीं जयंती के अवसर पर बनाया गया था। यह एक प्राकृतिक उद्यान से घिरा हुआ है। इस परिसर में नालंदा महाविहार की शैली में निर्मित एक ध्यान केंद्र, एक पुस्तकालय और एक संग्रहालय भी शामिल है।

खुदा बख्श ओरिएंटल लाइब्रेरी

खुदा बख्श लाइब्रेरी की शुरुआत एक निजी संग्रह के रूप में हुई थी। लेकिन यह धीरे-धीरे विभिन्न भाषाओं की लगभग 250,000 पुस्तकों के साथ एक भव्य पुस्तकालय के रूप में विकसित हो गया। इसमें पुरानी पांडुलिपियों का भी एक बड़ा संग्रह भी है। इसके अलावा यहां कुछ दुर्लभ कलाकृतियां भी मौजूद हैं।

गांधी संग्रहालय

पटना का गांधी संग्रहालय बड़े पैमाने पर महात्मा गांधी की बिहार यात्राओं और राज्य के साथ उनके संबंधों से संबंधित है

शहीद स्मारक

पुराने सचिवालय भवन के सामने स्थित शहीद स्मारक उन सात युवाओं के सम्मान में बनाया गया था, जिन्होंने भारतीय तिरंगा फहराने की हिम्मत की थी और 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान जिन्हें ब्रिटिश पुलिस द्वारा गोली मार दी गई थी।

सेंट मेरी चर्च

18वीं सदी में गॉथिक शैली में बनाए गए इस पुराने सेंट मेरी चर्च में कुछ बदलाव हुए हैं, लेकिन फिर भी इसे पटना का सबसे पुराना चर्च कहा जाता है। स्थानीय लोग इसे 'पादरी की हवेली' भी कहते हैं।

पत्थर की मस्जिद

ऐसा कहा जाता है कि सम्राट जहांगीर के बेटे परवेज शाह ने 17वीं शताब्दी में इस पत्थर की मस्जिद का निर्माण कराया था। गंगा नदी के तट पर स्थित इस मस्जिद का निर्माण उन्होंने उस वक्त करवाया था जब वह बिहार के राज्यपाल थे।

संजय गांधी जैविक उद्यान

संजय गांधी जैविक उद्यान यानि की पटना चिड़ियाघर यहां का एक लोकप्रिय आकर्षण है। वनस्पति उद्यान के रूप में शुरू हुए इस पार्क को बाद में एक जैविक पार्क में बदल दिया गया। यहां जानवर, मछली और सांप देखा जा सकता है। इसके अलावा भी मनोरंजन के कई साधन हैं।पटना और इसके आस पास के इलाकों में इन जगहों के अलावा भी घूमने के लिए कई खूबसूरत जगह हैं।

नेलपॉलिश लगाने के बाद सुखाना चाहते हैं जल्दी, आजमाएं ये तरीके

समय के साथ फैशन का अंदाज भी बदलता रहता हैं। लड़कियां अपने लुक में निखार लाने के लिए फैशन से जुड़ी कई चीजें अपनाती हैं जिनमें से एक हैं नेलपॉलिश। यह आपको नाखुनों को आकर्षक दिखाने के साथ ही बेहतरीन लुक देने का काम करती हैं। लेकिन कई बार देखने को मिलता है कि नेलपॉलिश सूखने में काफी समय लग जाता हैं जिसकी वजह से महिलाएं कुछ भी काम नहीं कर पाती हैं।

कई बार नेलपेंट गीली होने की वजह से फैल भी जाती हैं और डिजाईन बिगड़ जाती हैं। ऐसे में आज हम आपके लिए कुछ ऐसे टिप्स लेकर आए हैं जिसे आजमाने के बाद नाखुनों की नेलपॉलिश झट से सूख जाएगी और नेलपेंट खराब भी नही होगी। आइये जानते हैं इन टिप्स के बारे में। नेल पॉलिश कितनी जल्दी सूखती है यह डिपेंड करता है कि आप किस तरीके से उसे लगाती हैं।

नेल पॉलिश को अगर कुछ दिनों के लिये छोड़ दिया जाए तो वह गाढी हो जाती है। इसलिये उसे लगाने से पहले उसमें थोडा.सा एसिटोन मिला दें जिससे वह हल्की हो जाए और फिर उसे लगाएं।

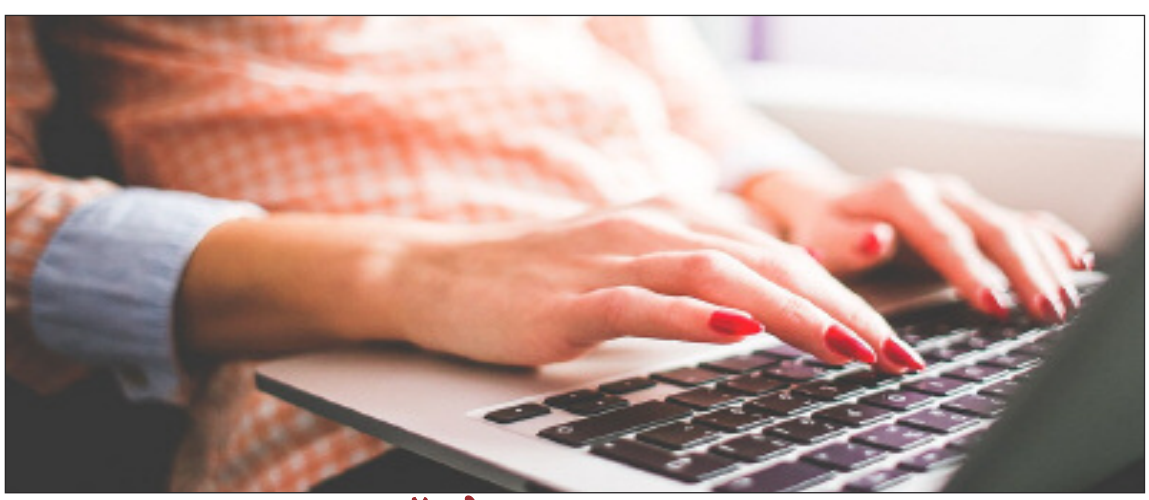

आप ठंडे पानी का इस्तेमाल करके नेल पेंट जल्दी से सुखा सकती हैं। जब भी आप नेल पॉलिश लगा रही हैं तो एक कटोरी में आइस वॉटर डालें। इसके बाद जब भी आप नेल पेंट दोनों नाखुनों पर लगा लें तो अपने हाथों को आइस वाटर में डूबोकर रखें। इससे नेलपेंट जल्दी सुख जाएगा।

टॉप कोट

अधिकतर लड़कियां टॉप कोट लगाना भूल जाती है। जबकि टॉप कोट एक जेल होता है और इसका टेक्सचर पतला होता है। इससे नेलपॉलिश कितनी भी कोट लगाई जाए ये जल्दी से सूख जाती है। टॉप कोट को हल्के गीले नेलपेंट के ऊपर लगाने से भी नेलपॉलिश खराब नहीं होती है और ये जल्दी सूख जाती है। नेलपॉलिश जल्दी सुखाना चाहते हैं तो ब्लो ड्रायर का इस्तेमाल कर सकते हैं। हांलाकि कुछ लड़कियां इस आईडिया को पसंद नहीं करती है, लेकिन अगर आप चाहें तो ब्लो ड्रायर से नाखुनों को सुखा सकती हैं। इसके लिए बस आपको ब्लो ड्रायर को मिनिमम सेंटिग पर रखना होगा जिससे ये हीट न करे और केवल हवा दे। जिससे नेलपेंट आसानी से सूख जाए। ड्राइंग ड्रॉप्स के जरिए आप ड्राइंग ड्रॉप्स का इस्तेमाल करके नेल पेंट सुखा सकते हैं। नेल पॉलिश लगाने के बाद इसे अपने नाखुन पर लगाएं। इससे भी नेल पेंट बहुत ही आसानी से सुख जाएगा। यह नाखुनों के लिए बहुत ही फायदेमंद माना जाता है।

बेबी ऑयल

आप बेबी ऑयल का इस्तेमाल नेल पेंट सुखाने के लिए कर सकते हैं। इसके अलावा आप ऑलिव ऑयल भी नेल पेंट को सुखाने के लिए प्रयोग कर सकते हैं। एक कटोरी में बेबी ऑयल डालें। इसके बाद इसमें अपनी उंगलियां डुबोकर रखें। इससे आपकी नेल पॉलिश जल्दी सुख जाएगी।

पतली कोटिंग

आपके नेलपेंट लगाने के तरीके पर भी यह निर्भर करता है कि नेलपेंट कितनी देर में सूखेगी। अगर आप नेलपेंट की थिक लेयर लगाती हैं तो उसे सूखने में काफी वक्त लगता है। कई बार तो इसमें घंटों भी लग जाते हैं। इसलिए सबसे अच्छा तरीका है कि आप नेलपेंट की थिन लेयर लगाएं।

पेट की चर्बी कम करने के लिए रोजाना खाली पेट पिएं हल्दी वाला पानी

बढ़ते वजन को कंट्रोल करने के लिए लोग नाना प्रकार के जतन करते हैं। कुछ लोग जिम का सहारा लेते हैं, तो कुछ लोग डाइटिंग करते हैं। वहीं, कुछ लोग घरेलू नुस्खे अपनाते हैं।

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो जंक फ़ूड के अत्यधिक सेवन से शरीर में फैट बढ़ने लगता है। एक बार वजन बढ़ने के बाद कंट्रोल करना आसान नहीं होता है। वहीं, लगातार बढ़ते वजन से शरीर का स्वरूप भी बदल जाता है। साथ ही कई बीमारियां भी दस्तक देती हैं।

इसके लिए वजन को कंट्रोल में रखना जरूरी है। अगर आप भी बढ़े हुए पेट की चर्बी को कम करना चाहते हैं, तो रोजाना खाली पेट हल्दी वाला पानी जरूर पिएं। कई शोधों में खुलासा हो चुका है कि हल्दी पानी पीने से बढ़ते वजन को आसानी से कंट्रोल किया जा सकता है। आइए जानते हैं-

हल्दी

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो वजन घटाने में हल्दी फायदेमंद साबित होती है। इसमें कई आवश्यक पोषक तत्व जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स, एंटी-इंफ्लेमेटरी, करक्यूमिन और पॉलीफेनॉल पाए जाते हैं, जो शरीर में मौजूद एक्स्ट्रा फैट को बर्न करने में सहायक होते हैं। एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के चलते यह पेट की चर्बी कम करने में सहायक होते हैं।

> लगातार बढ़ते वजन से शरीर का स्वरूप भी बदल जाता है। साथ ही कई बीमारियां भी दस्तक देती हैं। इसके लिए वजन को कंट्रोल में रखना जरूरी है। अगर आप भी बढ़े हुए पेट की चर्बी को कम करना चाहते हैं, तो रोजाना खाली पेट हल्दी वाला पानी जरूर पिएं। कई शोधों में खुलासा हो चुका है कि हल्दी पानी पीने से बढ़ते वजन को आसानी से कंट्रोल किया जा सकता है।

कैसे करें सेवन

इसके लिए रोजाना हल्दी वाला पानी पिएं। इससे शरीर में मौजूद टॉक्सिन बाहर निकल जाता है। इसके अलावा, हल्दी वाला पानी पीने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। वहीं, बदलते मौसम में होने वाले बीमारियों का खतरा भी कम हो जाता है।

इसके लिए हल्दी की एक गांठ को एक गिलास पानी में अच्छी तरह से उबाल लें। इस पानी को तब तक उबालें। जब तक पानी आधा न हो जाए। इसके बाद चाय छन्नी की मदद से हल्दी पानी को छान लें। अब शहद मिलाकर इसका सेवन करें। आप चाहे तो स्वाद बढ़ाने के लिए हल्दी पानी में अदरक, नमक और काली मिर्च मिक्स कर सकते हैं। इस पानी को रोजाना पीने से पेट की चर्बी कम करने में मदद मिलती है।

जीभ जल जाए तो तुरंत करें यह उपाय, नहीं होगा संक्रमण

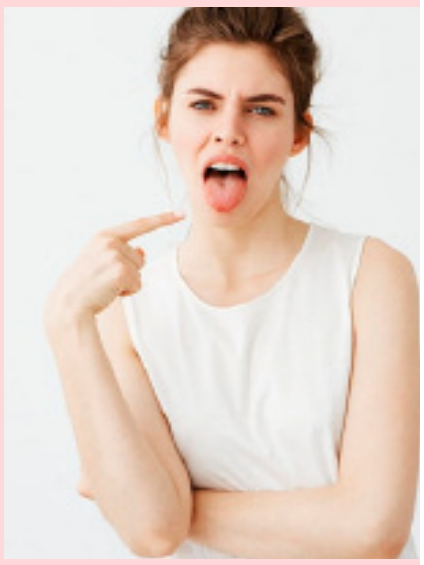

अक्सर चाय पीने या कुछ गर्म खाने के बीच में हम अपनी जीभ जला लेते हैं और फिर कई दिनों तक जली हुई जीभ की जलन से परेशान रहते हैं। आमतौर पर जीभ में जलन की समस्या धीरे-धीरे अपने आप ठीक हो जाती है, लेकिन अगर यह ज्यादा जल जाए तो यह हमें कई दिनों तक परेशान करती है। ऐसे में कुछ घरेलू नुस्खों की मदद से आप जलन को शांत कर सकते हैं और जले हुए टिश्यू को ठीक कर सकते हैं। स्वास्थ्य रेखा इसके अनुसार जीभ में जलन एक आम समस्या है जिसे प्राथमिक उपचार की मदद से ठीक किया जा सकता है। लेकिन अगर यह ज्यादा जलता है तो इस स्थिति में बर्निंग माउथ सिंड्रोम हो सकता है, जिसे इडियोपैथिक ग्लोसोपायरोसिस भी कहा जाता है। यहां हम आपको बताते हैं कि अगर जीभ जल जाए तो उसे तुरंत ठीक करने के लिए आपको क्या करना चाहिए।

जीभ जली हो तो करें ये काम

संक्रमण से बचने के लिए और जीभ पर फर्स्ट-डिग्री बर्न में दर्द को कम करने के लिए, कुछ मिनट के लिए मुंह में ठंडा पानी रखें और कुल्ला करें। ठंडे पानी से गरारे करें या कुल्ला करें। इसके लिए एक कप पानी में 1/8 चम्मच नमक का घोल बनाकर इस्तेमाल करें। गर्म या गर्म तरल पदार्थों से बचें, जिससे जलन हो सकती है। दर्द और सूजन के लिए डॉक्टर की सलाह पर दवा ली जा सकती है। ज्यादा जलन होने पर डॉक्टर से संपर्क करें।

ये हैं घरेलू नुस्खे

बेकिंग सोडा से धो लें. इससे दर्द में आराम मिलेगा। ठंडा दही, लस्सी, आइसक्रीम खाएं। पुदीना का प्रयोग करें। इसके लिए आप च्युइंग गम का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। दर्द से राहत के लिए जीभ पर कुछ चीनी के दाने या शहद लगाकर मुंह को कुछ देर के लिए बंद रखें। दर्द को कम करने के लिए अपने मुंह में बर्फ के टुकड़े या चिप्स डालकर चूसें।

त्वचा पर चाहते हैं कुदरती निखार, तो अपनाएं ये 3 आयुर्वेदिक उपाय

महिलाओं की ख़्वाहिश होती है कि उनकी त्वचा बेदाग और खूबसूरत हो। दमकती त्वचा पाने के लिए महिलाएं कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं, लेकिन इससे स्किन डैमेज हो सकती है। बिना मेकअप के चेहरे में निखार चाहती हैं, तो नेचुरल तरीके से त्वचा की देखभाल करें। ग्लोइंग स्किन पाने के लिए आयुर्वेदिक फेस पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। इस फेस मास्क को आप खुद घर पर बना सकती हैं। आइए जानते हैं, फेस पैक बनाने का तरीका।

बेसन और हल्दी का पैक: त्वचा की खूबसूरती बढ़ाने में हल्दी काफी फायदेमंद होती है और बेसन से चेहरे के दाग-धब्बे कम हो सकते हैं। इसके लिए एक बड़े चम्मच बेसन में एक चुटकी हल्दी मिलाएं और गुलाब जल की मदद से पेस्ट बना लें। चाहें तो आप कच्चे दूध की मदद से भी पेस्ट बना सकती हैं। अब इसे चेहरे पर लगाएं, 15-20 मिनट बाद पानी से धो लें।

चंदन पाउडर और गुलाब जल का फेस पैक: चंदन त्वचा की खूबसूरती निखारने में बेहद मददगार है। यह त्वचा को बेदाग और कोमल बनाने में कारगर हो सकता है। इससे फेस मास्क बनाने के लिए एक कटोरी में दो चम्मच चंदन पाउडर लें, अब इसमें गुलाब जल मिलाएं। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं, 15-20 मिनट बाद पानी से धो लें। इससे आपकी त्वचा में निखार आएगा।

केसर और शहद का फेस मास्क: केसर का इस्तेमाल सेहत के साथ त्वचा को निखारने के लिए भी किया जाता है।

बच्चों में कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए अपनाएं ये टिप्स, बेहतर होगा उनका फ्यूचर

हर पेरेंट्स चाहते हैं कि उनका बच्चा कॉन्फिडेंट हों। वह किसी भी स्थिति में नर्वस फील न करें। अक्सर बच्चे कॉन्फिडेंट न होने का कारण बहुत सारी एक्टिविटीज में भाग नहीं ले पाते हैं और सुनहरा मौका गंवा देते हैं। कॉन्फिडेंस होना भी, एक तरह की स्किल है। जो बच्चों को सीखाना बेहद जरूरी है। ऐसे में पेरेंट्स की जिम्मेदारी बनती है कि वो अपने बच्चों को बचपन से ही कॉन्फिडेंट बनाना सीखाएं। कई तरीकों से बच्चों में उत्साह और विश्वास ला सकते हैं। आइए जानते हैं, बच्चे का कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए कुछ असरदार टिप्स।

अच्छे काम के लिए तारीफ करें

जब आपका बच्चा कोई अच्छा काम करें, तो उसकी तारीफ करना न भूलें। बच्चे अपने पेरेंट्स से तारीफ सुनना चाहते हैं। वो चाहते हैं कि आप उनके काम को नोटिस करें। चाहे उन्होंने अपने खिलौने को सही जगह पर रखा हो, डांस किया हो या ड्राइंग बनाई हो।

आप बच्चों की प्रयासों के लिए उनकी तारीफ जरूर करें। इससे बच्चे प्रेरित होंगे और उनमें आत्मविश्वास की कमी नहीं होगी।

प्यार जताएं

चाहे बच्चे हो या बड़े, सब प्यार के भूखे होते हैं। ये हमें आत्मविश्वास से भर देता है। कई पेरेंट्स बच्चों के हर बात पर भड़क जाते हैं। जिससे बच्चा डरपोक होता है। आप अपने बच्चे से प्यार जताएं। उन्हें इस बात का भरोसा दिलाएं कि आप उनसे बेशुमार प्यार करते हैं और ये भी कहें कि किसी प्रॉब्लम में आप बच्चे का साथ नहीं छोड़ेंगे। उनकी ताकत बनें, तभी आपका बच्चा आपसे हर बात शेयर करेगा।

निगेटिव चीज़ों से दूर रखें

बच्चे गलत आदतों को बहुत जल्दी सीखते हैं। ऐसे में आप आसपास के माहौल पर ध्यान दें और बच्चों को निगेटिव माहौल से दूर रखें।

उनसे हमेशा पॉजिटिव बातें करें, कभी न कहें कि तुम इस काम को नहीं कर पाओगे, तुम पढ़ाई में विक हो आदि नकारात्मक बातें न करें। उन्हें प्रोत्साहित करने की कोशिश करें।